

" टीम भावना "

टीम भावना की परिभाषा-

"टीम भावना टीम के रूप में कार्य करने या अन्य लोगों के साथ खेलने के लिए उत्साही रवैया बताती है।"

टीम भावना-" किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व का वह गुण है जो उसे अपनी व्यक्तिगत अभिरुचि और स्वभावगत कमजोरियों को दूर रख कर एक बड़े और महत्वपूर्ण लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दूसरे योग्य व्यक्तियों के साथ समूह में रहकर कार्य करने के योग्य बनाता है।"

टीम भावना का मुद्दा मुख्य उद्देश्य महत्वपूर्ण और वृहद कार्यों को कम से कम समय में सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता के साथ संपादित करना होता है

एक टीम की तरह काम करने का जज्बा ही कुछ और होता है, क्योंकि एक टीम के तौर पर कार्य करने से आपसी तालमेल की शक्ति द्वारा कार्य आसानी से पूरा हो जाता है। एक समूह के द्वारा किया गया प्रयास व्यक्तिगत प्रयासों से कहीं बड़ा होता है। दूसरे शब्दों में जब एक टीम के द्वारा किए गए कार्यों के मूल्यांकन करने की बात आती है तो गणितीय नियमों द्वारा लगाए गए अनुमानों से भी बढ़कर परिणाम आते हैं और इसमें कोई शक नहीं कि इस प्रकार दो एवं दो का गठजोड़ चार से भी ज्यादा का प्रतिफल देता है।

तो, अब सवाल यह उठता है कि एक टीम के रूप में हर सदस्य को अपने कार्य को किस प्रकार अंजाम देना चाहिए जिससे टीम के सभी सदस्यों का मनोबल ऊंचा रहे और साथ ही पूरे समूह द्वारा किए गए कार्य का परिणाम बेहतर हो? हालांकि इसके लिए टीम में हर एक को टीम का अच्छा सदस्य बनना होगा और अपनी टीम के सभी सदस्यों को एक टीम की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित करना होगा।

सत्र में चर्चा के प्रमुख बिंदु

- *टीम भावना का स्वरूप या गुण
- * टीम भावना का महत्व
- *जीवों में टीम भावना के उदाहरण
- *हमारे आसपास कार्य करने वाले लोगों की टीम भावना के उदाहरण
- *बच्चों में टीम भावना की आवश्यकता
- *बच्चों में टीम भावना को कैसे विकसित किया जाए

पाठ्य पुस्तक में समाहित टीम भावना के उदाहरण-

कक्षा -2 -कलरव -पाठ- परी

कक्षा- 7 -मंजरी- पाठ-एक संसद नदी की

कक्षा- 2 -कलरव -पाठ- जगतपुर के बच्चे

कक्षा 2 कलरव- पाठ- नाव चली

कक्षा- 6 -मंजरी -पाठ -साप्ताहिक धमाका

कक्षा 8 -संस्कृत पीयूषम् -पाठ -ग्राम्य जीवनम्

कक्षा 4 -कलरव-पाठ- मलेथा की गूल



रत्नेश कुमारी

पाण्डेय पलिया वाराणसी